

उत्तराखण्ड में बुनियादी ढाँचा परियोजनाएँ

चर्चा में क्यों?

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, केंद्र ने राज्य में 33 बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं के लिये 559 करोड़ रुपए जारी किये।

मुख्य बिंदु:

- वित्त मंत्रालय के सहायक नदिशक के एक पत्र में कहा गया है कि यह राश राज्ज के लिये पूंजी नविश के लिये राज्जों को वशिष सहायता योजना, 2023-24' के भाग- I के तहत अतरिकित आवंटन के हसिसे के रूप में दी गई है।
 - केम्पटी फॉल के लोकप्रिय पर्यटन स्थल के पास एक सुरंग पार्कगि सुवधि के नरिमाण के लिये 26 करोड़ रुपए आवंटति कयि गए हैं।
 - देहरादून के बाहरी इलाके हरबर्टपुर में एक अंतर-राज्ज बस टर्मिनल के वकिस के लिये 10.8 करोड़ रुपए जारी कयि गए हैं।
 - मसूरी में मॉल रोड के अग्रभाग को बेहतर बनाने के लिये 17 करोड़ रुपए आवंटति कयि गए हैं, जबकि पुलसि बल को मज़बूत करने के लिये 20 करोड़ रुपए आवंटति कयि गए हैं।
 - हरदिवार मेडिकल कॉलेज में सवास्थ्य बुनियादी ढाँचे को बढ़ाने के लिये 100 करोड़ रुपए आवंटति कयि गए हैं, जबकि देहरादून में शौर्य स्थल के नरिमाण के लिये 51 करोड़ रुपए रखे गए हैं।
 - सोंग बांध बहुउद्देशीय परियोजना के लिये 88 करोड़ रुपए आवंटति कयि गए हैं तथा उधम सहि नगर, हरदिवार और देहरादून में पुलसि के लिये आवासीय भवनों के नरिमाण के लिये 25 करोड़ रुपए आवंटति कयि गए हैं।

पूंजी नविश योजना के लिये राज्जों को वशिष सहायता

- पूंजीगत व्यय के लिये राज्जों को वशिष सहायता की योजना वित्त वर्ष 2020-21 में कोवडि-19 महामारी के मददेनज़र शुरु की गई थी।
- वर्तमान में इस योजना का वसितार कयि गया है तथा इसे 1.3 लाख करोड़ रुपय के आवंटन के साथ पूंजी नविश के लिये राज्जों को वशिष सहायता योजना, 2023-24' के रूप में जारी रखा गया है।